14/10/2020 I ST

No. of Printed Pages : 2

SAP-01

2020

SAP
SET-1
हिंदी आशुलिपि

(गति : 80 शब्द प्रति मिनट)

निर्धारित समय : पाँच मिनट] *[पूर्णांक : 135*

उपाध्यक्ष महोदय, मैं तो इस बिल के सम्बन्ध में कुछ कहना नहीं चाहता था, लेकिन रेलवे मंत्री जी का ध्यान / आकर्षित करने के लिए दो छोटे-छोटे सुझाव इस विषय में रखना चाहता हूँ। ¼

यह सभी लोग मानते है कि // रेलवे सबसे बड़ी राजकीय सम्पत्ति है। इसमें अगर किसी तरह का नुकसान ½ होता है तो सभी प्रकार लोगों को चाहिए, /// चाहे वे किसी भी राजनैतिक दल अथवा संगठन विशेष से ¾ सम्बन्धित हों उसकी रक्षा करें। अगर इसमें किसी तरह का (1) कोई घाटा हो तो उसको रोकने की कोशिश करें। (1) मैं समझता हूँ कि रेलवे मंत्री जी की तरफ से यह / जो बिल पटल / सदन के सामने आया है कानून बनने के लिए, ¼ वह इसी बात को ध्यान में रखते हुए // आया है। लेकिन मैं अभी बैठे-बैठे दो चार माननीय सदस्यों का ½ संवेदनहीन भाषण सुन रहा था। मुझे कभी-कभी /// दुःख इस बात का होता है कि हमारे देश के लोग इस बात ¾ को अच्छी तरह से नहीं समझते हैं (2) कि यह रेलवे हमारी राष्ट्रीय सम्पत्ति है। रेलवे एक ऐसी संस्था है जो देश की (2) बहुत बड़ी सेवा कर रही / है। सिर्फ पैसेंजरों को इधर-उधर ले जाने में उसका उपयोग नहीं किया जाता बल्कि देश ¼ की राष्ट्रीय अथवा अन्तर्राज्यीय // योजनाओं को पूरा करने में उसका बहुत बड़ा योगदान रहता है। अगर कोई ½ बड़ा मौका होता तो दूसरी बात थी, /// लेकिन जब भी कोई मामूली एवं खतरनाक बात होती हैं, जैसा कि इस ¾

वक्त सिर्फ यह सवाल है कि रेलवे (3) में जो बिना टिकट चलते हैं उन्हें कैसे रोका जाय, इस चीज़ से रेलवे की जो (3)
क्षति होती है उसको / कैसे रोका जाय, इस दिशा में इस बिल द्वारा कोशिश की जा रही है । ¼

श्रीमन, रेलवे में सुधार करने की // बात को तो मैं समझ सकता हूँ लेकिन सदन में छोटे से लेकर बड़े ½
कर्मचारियों की निन्दा और उनकी शिकायत /// करना कहाँ तक ठीक है ? अभी एक माननीय सदस्य ने पाँच ¾
तरह के बिना टिकट चलने वाले लोगों की व्याख्या (4) की । हम लोग जन प्रतिनिधि हैं, लेकिन हमें यह बात (4)
माननी चाहिए कि जब हम ट्रेन में चलते हैं और / इस तरह की कोई बात होती है तो हम लोगों को उसके बारे में ¼
शिकायत करनी चाहिए और कार्यवाही करनी // चाहिए । इस तरह की जब भी कोई कार्यवाही होती है, उसको ½
रोकने की कोशिश भी करनी चाहिए । जब सरकार /// किसी बुराई को दूर करना चाहती है तो उसमें कुछ अच्छे ¾
लोगों को भी तकलीफ़ हो जाती है । यह लाजमी (5) बात भी है । 5

(403 शब्द)